अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ (आश्रव संवर)–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में दीजिए– 16

आश्रव–किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) कृष्ण लेश्या के कितने वर्ण और स्पर्श हैं?

(ख) व्यवसाय के आधार पर मनुष्य के कितने व कौन से प्रकार हैं?

(ग) प्रत्याख्यान से जीव क्या प्राप्त करता है?

(घ) संसार समापन्नक जीव के प्रकारों के नाम लिखें।

(ङ) जीव स्वाहस्तिकी क्रिया किसे कहते हैं?

(च) अनाभिग्रहिक मिथ्यात्व किसे कहते हैं?

(छ) अजीव वस्तु असंयम से क्या तात्पर्य है?

(ज) भाव लाभ के कितने प्रकार हैं? नामोल्लेख करें।

संवर–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(झ) उपग्रह उपधि किसे कहते हैं?

(ञ) बोधिदुर्लभानुप्रेक्षा किसे कहते हैं?

(ट) कायगुप्ति किसे कहते हैं?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **आश्रव**–योग निरोध की प्रक्रिया बताएं ***अथवा*** सिद्ध करें कि आश्रव पुण्य पाप का द्वार है।

(ख) **संवर**–क्षयोपशमिक भाव तथा क्षायोपशमिक चारित्र को स्पष्ट करें। ***अथवा*** क्या योग को छोड़कर शेष उन्नीस आश्रवों को जीव जब इच्छा हो तब छोड़ सकता है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) **आश्रव**–सिद्ध करें कि कर्म और आश्रव भिन्न-भिन्न हैं। ***अथवा*** शुभ योग ही संवर है तथा शुभ योग ही सामायिक आदि पांचों चारित्र हैं। इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु के अभिमत को स्पष्ट करें।

(ख) **संवर**–प्राणातिपात आदि पन्द्रह आश्रव योगाश्रव के भेद हैं तो फिर प्राणातिपात विरमण आदि पन्द्रह संवर विरति संवर के भेद क्यों हैं? ***अथवा*** सिद्ध करें कि संवर आश्रव का अवरोधक पदार्थ है।

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 6

(क) उपवृंहण का क्या तात्पर्य है?

(ख) अकर्म भूमि के मनुष्य मर कर कहां जाते हैं?

(ग) क्या नरक की पृथ्वियों में बादर अग्नि, चन्द्रमा, सूर्य आदि का प्रकाश है?

(घ) बलदेव वासुदेव कौन सी नरक से निकल कर बन सकते हैं?

(ङ) क्या जलचर तिर्यंच श्रावक सामायिक पौषध कर सकते हैं?

(च) जाति स्मृति कितने भवों की हो सकती है?

(छ) ज्ञान पांच हैं, अज्ञान तीन, ऐसा क्यों ?

(ज) अकर्म भूमि और अन्तर्द्वीप के मनुष्यों में क्या चारित्र होता है?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो तीन लाईन में लिखें– 12

(क) क्या तिर्यंच श्रावक सुपात्र दान की दलाली कर सकता है?

(ख) क्या उर्ध्व और अधःलोक में भी त्रस जीव (तिर्यंच) है?

(ग) परमाधार्मिक देवता कितने प्रकार के हैं?

(घ) श्रुतज्ञान व मनःपर्यवज्ञान के दर्शन क्यों नहीं?

(ङ) क्या सम्यक्त्व चारों गतियों में प्राप्त हो सकती है?

(च) ब्रह्मचारी मर कर कहां जाता है?

(छ) समाज के व्यवहार को निभाना क्या धर्म नहीं है?

(ज) मैथुन सेवन करने वाले के क्या जीव हिंसा का भी पाप लगता है?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) तीस अकर्म भूमि के क्षेत्रों में मनुष्यों का भोजन कैसा है?

(ख) चारित्र का उत्थान व पतन कहां होता है?

(ग) बाड़ व कोट किसे कहते हैं?

श्रावक संबोध–20

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) लोक घृणित व क्रूर माने जाने वाले कर्मादान के वर्णन वाला पद्य लिखें।

(ख) प्रामाणिकता श्रावक जीवन का सुस्थिर सिद्धात है–वह पद्य लिखें।

(ग) साधु की तरह श्रावक भी जिन शासन के अभिन्न अंग होते हैं–वह पद्य लिखें।

(घ) श्रमणोपासक श्रेणी तीर्थंकरों की कृति है–वह पद्य लिखें।

(ङ) चार महास्कन्ध का त्याग करने वाला महाश्रावक कहलाता है–वह पद्य लिखें।

(च) तीन गुणव्रतों को श्रावक जीवन का आभूषण माना गया है–वह पद्य लिखें।

प्र. 8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) निष्कांक्षा से क्या तात्पर्य है?

(ख) संलेखना व्रत के पाच अतिचारों के नाम लिखें।

(ग) सम्यक्त्व का स्वरूप क्या है?

(घ) श्रमण संस्कृति के प्राण तत्त्व कौन से हैं?

(ङ) दिग्व्रत के पांच अतिचारों में 'क्षेत्र वृद्धि' और 'स्मृति अन्तर्धान' का क्या तात्पर्य है?

(च) अक्षीणमहानस लब्धि की क्या विशेषता होती है?